

---

# Shri Shadvarnamantra Ashtakam

श्रीषड्वर्णमन्त्राष्टकम्

## Document Information

---

Text title : Shri Shadvarnamantra Ashtakam 02 23 06 28

File name : ShaDvarNamantrAShTakam.itx

Category : shiva, aShTaka, mantra

Location : doc\_shiva

Proofread by : Aruna Narayanan, Gopalakrishnan,NA

Description/comments : From stotrArNavaH 02-23 06-28

Latest update : July 25, 2021

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 2, 2021

*sanskritdocuments.org*

---

---

# Shri Shadvarnamantra Ashtakam

---

## श्रीषड्वर्णमन्त्राष्टकम्

---



धनुर्धरित्रीधरसार्वभौमो

भौर्वी य दर्वीकरसार्वभौमः ।

शरस्तु सर्वाभरसार्वभौमः

पायात्स नो दैवतसार्वभौमः ॥ १ ॥

वेदान्ततत्त्वमथितं नवनीतसारं

त्रिद्रूपदृश्यरमशैवरुडस्थमन्त्रम् ।

ज्योतिर्भयोऽज्ज्वलनिरञ्जनरूपमन्त्रं

वन्दे षडक्षरिसदाशिवनाममन्त्रम् ॥ २ ॥

अश्रान्तदुष्कृतिसमुद्रतरीशमन्त्रं (अश्रान्तदुर्भव)

पापाम्बुराशिभऽवानलतुल्यमन्त्रम् ।

ब्रह्माय्युतेन्द्रसुरमौलिजपैकमन्त्रं

वन्दे षडक्षरिसदाशिवनाममन्त्रम् ॥ ३ ॥

कामादिवर्गविपिनप्रलयाग्निमन्त्रं

दुर्दोषशैलकुलिशाधिकभीममन्त्रम् ।

मायान्धकारपरिशोषित (शोषण) भानुमन्त्रं

वन्दे षडक्षरिसदाशिवनाममन्त्रम् ॥ ४ ॥

अष्टत्रयाष्टपुरवायुविकारकोश- (अष्टत्रयाष्ट)

कलेशाष्टपाशबहुदुःखविनाशमन्त्रम् ।

दुश्चित्तदुर्व्यसनदामविभेदमन्त्रं (दुश्चित्त)

वन्दे षडक्षरिसदाशिवनाममन्त्रम् ॥ ५ ॥

पञ्चप्रसादमखिताक्षरभीजमन्त्रं

मन्त्राग्रगण्यभुवनस्तुतमन्त्रराजम् ।

सर्वोऽपि मन्त्रजनकप्रणवात्ममन्त्रं

वन्दे षडक्षरिसदाशिवनाममन्त्रम् ॥ ६ ॥

ओङ्कारबिन्दुसङ्घिताधिकशक्तिबीजं  
पञ्चाक्षरत्रितयवर्णकमेकवर्णम् ।

अेकादशाक्षरसमन्वितसंज्ञमन्त्रं  
वन्दे षडक्षरिसदाशिवनाममन्त्रम् ॥ ७ ॥

श्रीसृजनात्मबहिरन्तरवित्कटाग्र (बहिरन्तरदीप्तिकुद्र?)  
क्षमाभागागर्जितनिरन्तरधोषमन्त्रम् ।

षट्चक्रमण्डपविडारविशुद्धमन्त्रं  
वन्दे षडक्षरिसदाशिवनाममन्त्रम् ॥ ८ ॥

षड्वर्णमन्त्राष्टकमद्भुतार्थं  
सर्वांगमप्रोक्तजगत्प्रकाशम् ।

यः संपठेन्मुक्तिसमस्तभोगान्  
प्राप्नोति सत्यं सति सिद्धमन्त्रम् ॥ ९ ॥

॥ इति श्रीषड्वर्णमन्त्राष्टकं सम्पूर्णम् ॥

Proofread by Aruna Narayanan, Gopalakrishnan, NA

---

—  
*Shri Shadvarnamantra Ashtakam*  
pdf was typeset on September 2, 2021

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

